सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 351 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 1 फरवरी, 2023

यात्रा से आमजन को जोड़ने को... 3

चुनाव आते ही बीजेपी सीएए... 7

बजट 2023

# इनकम पर छूट : राहत वाला लोकलुभावन बजट

## 3 लाख तक की कमाई पर कोई टैक्स नहीं

**» विपक्ष ने बताया चुनावी बजट, भाजपा ने कहा आम लोगों को मिलेगा फायदा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने नौकरी पेशा लोगों को कर में छूट देकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी है। इसके अलावा इस बार बजट में किसानों, महिलाओं ,ग्रामीणों व सभी को कुछ ने कुछ दिया गया। सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों ने इसे आमजन का बजट बताया है जबकि विपक्ष इसे चुनावी बजट बता रहा है। कुल मिलाकर लोकलुभावन बजट देने की कोशिश की गई है।

नौकरी-पेशा लोगों को इस बार के बजट में लंबे समय बाद खुशखबरी मिली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नई टैक्स रिजीम में टैक्स छूट की 5 लाख की सालान आय की सीमा बढ़ाकर 7 लाख कर दी गई है। अब साल में 7 लाख रुपये तक की कमाई करने वालों को इनकम टैक्स नहीं देना होगा। वहीं, नई टैक्स व्यवस्था में स्लैब्स भी घटा दिए गए हैं। बजट घोषणा के मुताबिक, नई टैक्स रिजीम में 3 लाख रुपये तक टैक्स छूट, 3 से 6 लाख रुपये तक 5 प्रतिशत, 6 से 9 लाख रुपये तक 10 प्रतिशत और 9 से 12 लाख रुपये तक 15 प्रतिशत का टैक्स देना होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि अब नई टैक्स रिजीम अपनाने वालों को 15 लाख रुपये की एनुअल इनकम पर 45 हजार रुपये टैक्स देने होंगे।

**पीएम आवास पर खर्च को 66 फीसदी बढ़ाकर 79,000 करोड़ रुपये कर दिया है। यह पीएम आवास खर्च में बड़ी बढ़ोतरी है।**

**5.94 लाख करोड़ रुपये रक्षा मंत्रालय को दिया गया**

**2,200 करोड़ रुपये का केंद्र सरकार आत्मनिर्भर स्वच्छ संयंत्र कार्यक्रम शुरू करेगी**

**डॉक्टरी की पढ़ाई कराने वाले 157 मेडिकल कॉलेजों के आसपास ही 157 नए नर्सिंग कॉलेज खोलने की बड़ी घोषणा**

**नर्सिंग फार्मा में मिलेंगे रोजगार के अपार मौके**

### क्या हुआ महंगा

| | |
|---|---|
| सोना | शराब |
| चांदी | छाता |
| बर्तन | प्लेटिनम |
| सिगरेट | एक्स-रे मशीन |
| विदेशी किचन चिमनी | विदेशी खिलौने |

### क्या हुआ सस्ता

| | |
|---|---|
| मोबाइल | एलइडी टीवी |
| खिलौना | इलेक्ट्रिक गाड़ियां |
| आटोमोबाइल | साइकिल |

| इनकम | टैक्स |
|---|---|
| 0 -3 लाख | 00% |
| 3-6 लाख | 05% |
| 6-9 लाख | 10% |
| 9-12 लाख | 15% |
| 12-15 लाख | 20% |
| 15 से ऊपर | 30% |

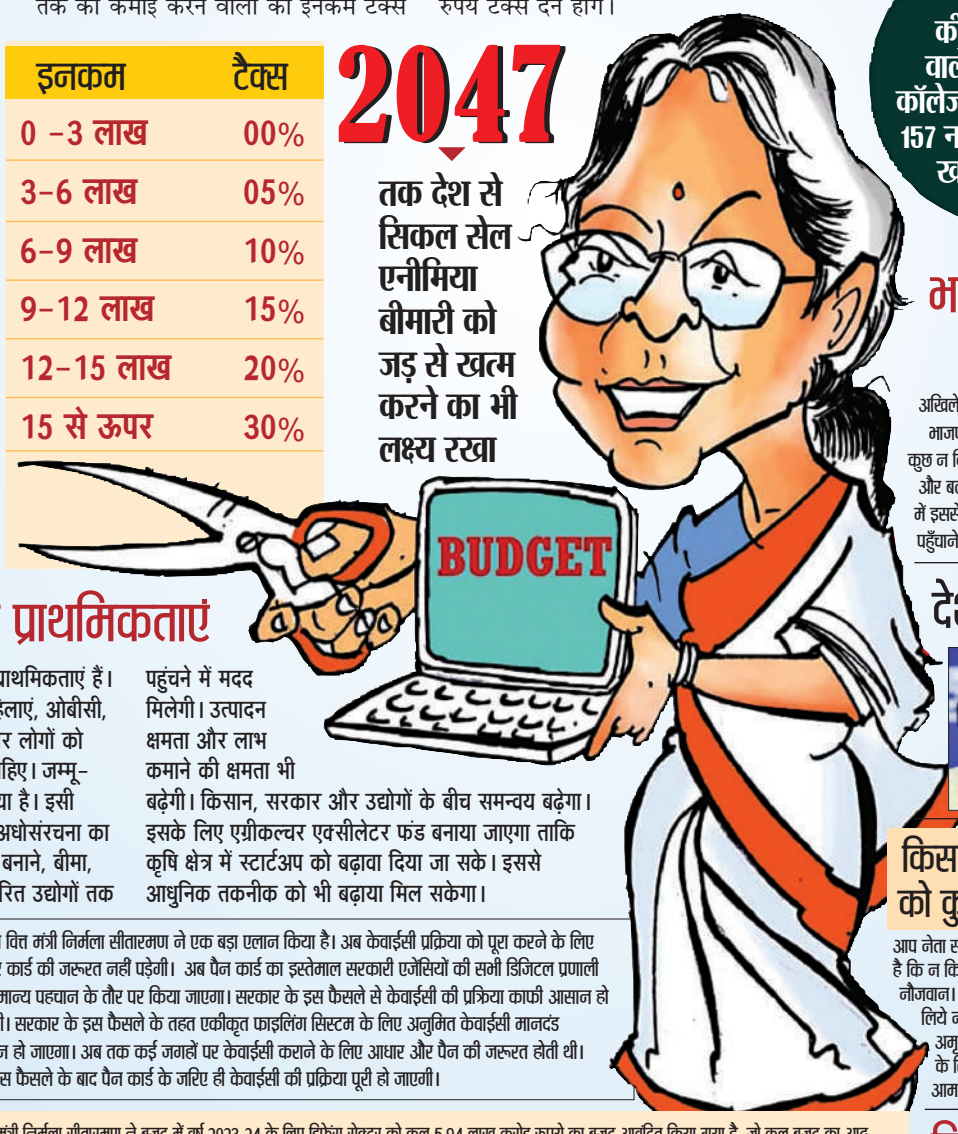


## भाजपाई बजट, महंगाई व बेरोजगारी को और बढ़ाता है : अखिलेश

अखिलेश यादव ने बजट को लेकर पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा अपने बजट का दशक पूरा कर रही है पर जब जनता को पहले कुछ न दिया तो अब क्या देगी। भाजपाई बजट, महंगाई व बेरोज़गारी को और बढ़ाता है। किसान, मज़दूर, युवा, महिला, नौकरी पेशा, व्यापारी वर्ग में इससे आशा नहीं निराशा बढ़ती है क्योंकि ये चंद बड़े लोगों को ही लाभ पहुँचाने के लिए बनता है।

## सप्तऋषि की तरह सात प्राथमिकताएं

वित्तमंत्री ने कहा बजट में सप्तऋषि की तरह सात प्राथमिकताएं हैं। पहली है- समग्र विकास। यह विकास किसान, महिलाएं, ओबीसी, एससी-एसटी, दिव्यांगजन, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को तक पहुंचना चाहिए। वंचितों को वरीयता मिलनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पूर्वोत्तर का भी ध्यान रखा गया है। इसी प्राथमिकता के तहत कृषि के लिए डिजिटल लोक अधोसंरचना का निर्माण होगा। इससे किसानों को खेती की योजना बनाने, बीमा, कर्ज, मार्केट इंटेलिजेंस, स्टार्टअप और कृषि आधारित उद्योगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। उत्पादन क्षमता और लाभ कमाने की क्षमता भी बढ़ेगी। किसान, सरकार और उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ेगा। इसके लिए एग्रीकल्चर एक्सीलेटर फंड बनाया जाएगा ताकि कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जा सके। इससे आधुनिक तकनीक को भी बढ़ाया मिल सकेगा।

## देश का नहीं पार्टी का बजट : मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बजट में आमजन के लिए कुछ नहीं है। सरकार ने देश का नही अपनी पार्टी का बजट बनाया है। सरकार की संकीर्ण नीतियों व गलत सोच का सर्वाधिक दुष्प्रभाव उन करोड़ों गरीबों किसानों व अन्य मेहनतकश लोगों के जीवन पर पड़ता है जो ग्रामीण भारत से जुड़े हैं और असली भारत कहलाते हैं। भारत लगभग 130 करोड़ गरीबों, मजदूरों, वंचितों, किसानों आदि का विशाल देश है जो अपने अमृतकाल को तरस रहे हैं।

## किसान व नौजवान किसी को कुछ नहीं : संजय सिंह

आप नेता संजय सिंह ने कहा है कि न किसान न जवान न नौजवान। बजट में किसी के लिये नही कोई प्रावधान। अमृत काल में अमृत के लिये तरस रहा है आम इंसान पूँजीपतियों की लूट हुई आसान।

## पुरानी बातों को नए रुप में परोस रही सरकार : अधीर

कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सरकार के बजट में किसानों व एमएसपी की बात नहीं है। सरकार केवल पुरानी बातों को नए रुप में परोस रही है।

## पैन कार्ड से होगी केवाईसी, आधार कार्ड की नहीं पड़ेगी जरूरत

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बड़ा एलान किया है। अब केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आधार कार्ड की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब पैन कार्ड का इस्तेमाल सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणाली में सामान्य पहचान के तौर पर किया जाएगा। सरकार के इस फैसले से केवाईसी की प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी। सरकार के इस फैसले के तहत एकीकृत फाइलिंग सिस्टम के लिए अनुमित केवाईसी मानदंड आसान हो जाएगा। अब तक कई जगहों पर केवाईसी कराने के लिए आधार और पैन की जरूरत होती थी। वहीं इस फैसले के बाद पैन कार्ड के जरिए ही केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

## डिफेंस सेक्टर के बजट में बढ़ोत्तरी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में वर्ष 2023-24 के लिए डिफेंस सेक्टर को कुल 5.94 लाख करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जो कुल बजट का आठ फीसद है। सरकार ने इस बार रक्षा बजट में बढ़ोतरी कर दी है। इस बार कुल मिलाकर, रक्षा बजट बढ़कर 5.94 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। अगर पिछले साल से इसकी तुलना करें तो यह 16 प्रतिशत तक ज्यादा है। इसमें पेंशन भी शामिल है। डिफेंस सेक्टर में पिछले साल सरकार ने जो आवंटन पेश किया था वह करीब 5.25 लाख करोड़ रुपये का था। डिफेंस सेक्टर पर सरकार का हमेशा से ही फोकस ज्यादा रहा है। पिछले साल के आम बजट में डिफेंस के लिए 5.2 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। इसमें से सबसे ज्यादा 1.9 लाख करोड़ रुपये आर्मी के लिए आवंटित किए गए थे, लेकिन इसका 83 फीसदी हिस्सा सैलरी और रेजाना के खर्चों में चला जाता है। केवल 17 फीसदी हिस्सा ही सेना के आधुनिकीकरण के लिए बच जाता है। विश्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि साल 2000 से लेकर अब तक भारत का डिफेंस एक्सपेंडीचर हमारी जीडीपी के 2.5 से 3.1 फीसदी के बीच बना रहा था। साल 2001 में भारत का कुल रक्षा बजट 14.6 अरब डॉलर था। यह साल 2011 तक 339 फीसदी यानी करीब साढ़े तीन गुना बढ़कर 49.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

## बिहार को बजट से उम्मीद नहीं : तेजस्वी

केंद्रीय बजट पर बिहार के उपमुख्यमंत्री ने तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार को बजट से उम्मीद नहीं है। बीजेपी ने बिहार को ठगने का काम किया है। कई वादे कर उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि पहले के बजट और अब के बजट में बहुत अंतर हो गया है। पहले रेल बजट अलग होता था, लोग बहुत ही इच्छा से इसे देखते थे और आम बजट भी अलग होता था।

# सिर्फ वोट से ही भाजपा नाम की बीमारी दूर होगी : अखिलेश

**» किसी का भी नाम बदल कर अमृत रख सकती है बीजेपी, घमंड में चूर है यूपी सरकार: सपा प्रमुख**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। सिर्फ नाम बदलकर भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाने का काम कर रही। मुगल गार्डन का नाम बदलने पर उन्होंने कहा कि कल किसी का भी नाम बदल कर भाजपा अमृत रख सकती है। सिर्फ वोट से ही भाजपा नाम की बीमारी दूर होगी।**

सपा मुखिया ने कहा है प्रदेश सरकार घमंड में चूर है। भाजपा के नेता आमजनता की समस्याओं पर ध्यान नही दे रही है। पश्चिम यूपी में एक नेता ने एक आदमी को अपनी थार गाड़ी से रौंद दिया पर उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस तरह की घटनाएं बढ़ रही पर योगी सरकार धर्म के नाम पर राजनीति करने में जुटी है। उन्होंने कहा कि झोपड़ी में रह रहा परिवार, बच्चों की पढ़ाई पर संकट जम्मू कश्मीर में आतंकियों के हमले में मारे गए श्रमिकों के परिजनों का दर्द अब सियासत बन गया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से आश्रितों ने कहा कि सरकार अपना वादा नहीं निभा रही। उन्हें आवास, नौकरी और पट्टे का लाभ नहीं दिया गया। परिवार झोपड़ी में रह रहा और बच्चों की पढ़ाई तक नहीं हो पा रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि एलआईसी बिक गई और एसबीआई डूब रही है। यह देश के लिए बड़ा खतरा है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर अखिलेश यादव ने रामसागर की पत्नी मालती देवी और मुनेश की पत्नी पुष्पा देवी से मुलाकात की।

## फिल्मों को बना रही सियासी विचारधारा का हथकंडा

**लखनऊ।** पठान के विरोध करने पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा है। अपने ट्वीट में सपा प्रमुख ने लिखा, पठान का सुपर हिट होना देश और दुनिया में सकारात्मक सोच की जीत है और भाजपाई नकारात्मक राजनीति को जनता का करारा जवाब दिया है। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि फ़िल्म मनोरंजन का साधन है लेकिन भाजपा सरकार ने इसे सियासी विचारधारा का हथकंडा बना लिया है। सिनेमा के विषय को ही नहीं, सिनेमा जगत को भी भाजपा की डर और अविश्वास फैलाने वाली नफ़रत की तलवार से दो फाड़ किया जा रहा है। सार्थक सिनेमा उम्मीद और बदलाव लाता रहा है पर भाजपा ये नहीं चाहती।

# राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकारी बयान : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण को कांग्रेस ने रूटीन बताया और कहा कि उसमें सरकारी बयान के अलावा कुछ नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राष्ट्रपति ने वही कहा है, जो सरकार चाहती है। तृणमूल के डेरेक ओब्रायन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की आलोचना करते हुए कहा कि महंगाई, सामाजिक सौहार्द, महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर कुछ बात नहीं की गई।**

कांग्रेस सांसद एवं पूर्व मंत्री शशि थरूर ने अभिभाषण को चुनावी बताया। थरूर ने कहा कि वैसे तो राष्ट्रपति को चुनाव नहीं लड़ना है, लेकिन अभिभाषण से ऐसा लग रहा था कि केंद्र सरकार अपना चुनावी अभियान उनके ही माध्यम से चलाना चाह रही है। माकपा के विनय विश्वम ने थरूर से सहमति जताते हुए अभिभाषण को चुनावी बताया और कहा कि यह 2024 के लिए भाजपा के घोषणापत्र का पहला अध्याय जैसा है। खरगे ने कहा कि विकास का जिस तरह दावा किया गया है, यदि वह सही है तो फिर लोग बेरोजगारी और महंगाई से परेशान क्यों हैं? खरगे ने कहा कि अभिभाषण में जो नए स्कूल और कालेज खोलने की बात कही गई है, वे सब निजी क्षेत्र के हैं। देश के गरीब छात्र इनमें पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते। इसलिए इन स्कूलों और कालेजों से उनको कोई लाभ नहीं मिलने वाला है।

# टिप्पणी विवाद नहीं चर्चा का विषय : संघमित्रा

**» स्वामी प्रसाद की बेटी ने कहा- मैं अभी चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बदायूं से भाजपा सांसद संघमित्रा मौर्य ने रामचरितमानस पर अपने पिता स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी से उपजे विवाद से किनारा कर लिया है। संघमित्रा ने कहा कि मैं चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और यह सुनिश्चित कर रही हूं कि मेरी पार्टी दोबारा सत्ता में वापस आए। यह चुनाव के अलावा अन्य मुद्दों पर बोलने का समय नहीं है।**

गौरतलब है कि एक दिन पहले उत्तर प्रदेश भाजपा प्रमुख भूपेंद्र चौधरी ने संघमित्रा से अपना स्टैंड स्पष्ट करने को कहा था, क्योंकि वह भाजपा की सांसद हैं और उन्हें पार्टी की विचारधारा का पालन करना आवश्यक है। संघमित्रा ने कहा कि रामचरितमानस पर उनके पिता की टिप्पणी विवाद का विषय नहीं बल्कि चर्चा का विषय है। उन्होंने कहा, इस मुद्दे का विश्लेषण और चर्चा की जानी चाहिए कि एक विशेष पंक्ति (पुस्तक में) पर बार-बार विवाद क्यों हो रहा है। कुछ लोग विवाद को भड़काने के लिए अनावश्यक मुद्दों को उठा रहे हैं।

## संघमित्रा फूंक-फूंक कर रख रहीं हैं कदम

विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि लोकसभा चुनाव अभी एक साल दूर हैं, इसलिए संघमित्रा पार्टी आलाकमान से किसी भी संभावित प्रतिक्रिया को टालते हुए सावधानी से चलना चाहती हैं। समझा जाता है कि भाजपा नेतृत्व भी ओबीसी समुदाय को नाराज नहीं करने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। भाजपा सूत्रों ने कहा कि पार्टी इस तथ्य से अवगत है कि समाजवादी पार्टी निकाय और फिर 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए ओबीसी, दलितों और मुसलमानों को मिलाकर एक नया सामाजिक गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। संघमित्रा ने पिछले साल खुद को एक विकट स्थिति में पाया, जब स्वामी प्रसाद मौर्य, जो उस समय योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में मंत्री थे, ने भाजपा के खिलाफ विद्रोह का झंडा फहराया था और सपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने तब कहा था कि उनके पिता ने अपने समुदाय के हितों के लिए भाजपा छोड़ दी।

# सोमैया को नाक रगड़ने पर मजबूर कर दूंगा : अनिल परब

**» उद्धव गुट के नेता ने किरीट पर बिल्डरों को फायदा पहुंचाने का लगाया आरोप**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**मुंबई। शिवसेना उद्धव गुट के नेता अनिल परब ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया पर बयान दिया है कि वह सोमैया को नाक घिसने पर मजबूर कर देंगे। उन्होंने सोमैया पर बिल्डरों को फायदा पहुंचाने के लिए काम करने का आरोप लगाया।**

परब ने यह आरोप म्हाडा द्वारा बांद्रा में कथित तौर पर परब का कार्यालय तोड़े जाने के बाद लगाया। परब ने कहा कि सोमैया का आरोप है कि तोड़ा गया कार्यालय मेरा है, लेकिन मेरा उससे कोई संबंध नहीं हैं। जो कार्यालय तोड़ा गया, वह बांद्रा स्थित सोसायटी का कार्यालय है। म्हाडा ने इसका लिखित सबूत दिया है। इसीलिए म्हाडा के जिस अधिकारी ने सोसायटी को नोटिस भेजा है, उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सोमैया के आरोपों के बाद म्हाडा द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ परब ने म्हाडा ऑफिस में जाकर करीब तीन घंटे तक म्हाडा अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान ठाकरे गुट के शिवसैनिकों और परब समर्थकों ने म्हाडा ऑफिस के बाहर जोरदार नारेबाजी और प्रदर्शन किया।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

# यूज एंड थ्रो करते हैं नीतीश कुमार : चिराग पासवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। सांसद चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खरी-खरी सुनाने में कभी पीछे नहीं रहते। चिराग ने मुख्यमंत्री की पॉलिसी यूज एंड थ्रो वाली बताई है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के खूबसूरत व्यक्तित्व का उदाहरण तो खुद उनके ही पार्टी के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने दिया था।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि नीतीश कुमार के पेट में दांत है। उन्होंने खुद ही अपने मुख्यमंत्री के बारे में ये बातें कही थी। चिराग ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि कोई ऐसा सगा नहीं जिसको मुख्यमंत्री ने ठगा नहीं। लोग सही कहते हैं, शरद यादव से लकेर आरसीपी सिंह और अब उपेंद्र कुशवाहा, अपने ही दलों के सभी नेताओं को तो नीतीश ने ठगा ही है। जब तक किसी की जरूरत रहती है सीएम तब तक ही उसका यूज करते हैं, ये बात ललन सिंह कह चुके हैं।

## गठबंधन के साथ जाएंगे चिराग

चिराग ने कहा कि वह साल 2024 में गठबंधन के साथ उतरेंगे। वो सिद्धांतों के आधार पर ही विचार करते है, गठबंधन का जो भी स्वरूप होगा। जब चुनाव निकट आएगा तो चीजें साफ हो जाएंगी। कहा कि उनका गठबंधन सिद्धांतों के आधार पर होगा। बीजेपी के सामने भी ये बात रखी थी कि अगर कोई गठबंधन है तो सभी पार्टियों के एजेंडों पर बात होनी चाहिए। इसके अलावा उपेंद्र कुशवाहा पर कहा कि उन्होंने हिस्सा मांग कर कुछ गलत नहीं किया है। नीतीश कुमार भी तो अपना हिस्सा लेकर आगे बढ़े हैं।

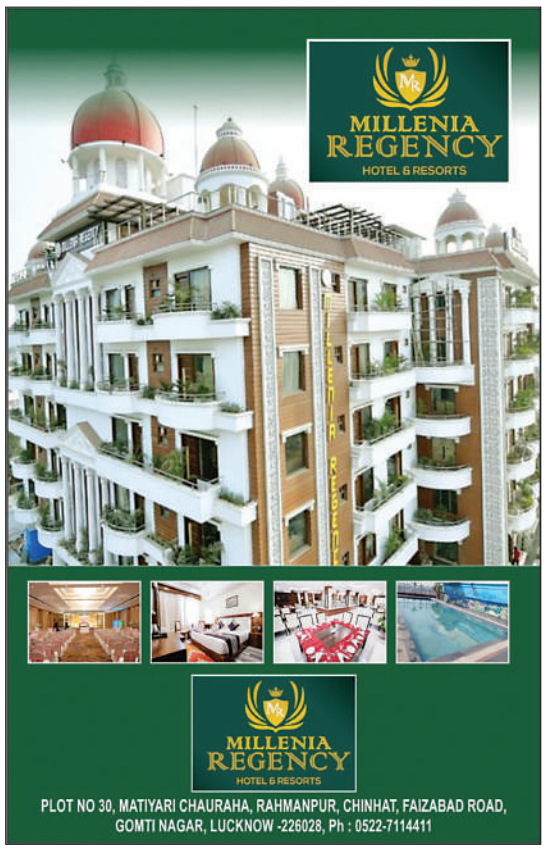

# यात्रा से आमजन को जोड़ने का पुराना है चलन

## राजनैतिक दलों का वोट हासिल करने का उम्दा हथियार

**» महात्मा गांधी, चंद्रशेखर , अडवानी भी निकाल चुके हैं ऐसी यात्राएं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में यात्रा करके लोगों के बीच में अपनी बात पहुंचाने का चलन बहुत पुराना है। देश की आजादी से पहले महात्मा गांधी ने इस तरह की यात्रा से पूरे देश को अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके द्वारा की गई यात्रा में दांडी मार्च, अंग्रेजों भारत छोड़ो यात्रा जैसे महत्वपूर्ण यात्राएं हैं। आजादी के बाद सरकार ने आम जनता को अपनी योजनाओं से अवगत कराने के लिए भी कई यात्राएं निकाली। इन यात्राओं का मकसद जन जागरूकता भी लाना होता है। हालांकि भारत में इस तरह की यात्रा राजनीति चमकाने के लिए ज्यादा उपयोग किया जाता हैं। देश का प्रत्येक राजनीतिक दल इस तरह की यात्रा निकाल कर अपने को आमजन से जोड़कर वोटों को अपने पक्ष करने की जुगत में लगा रहता है।

राहुल गांधी की अगुआई वाली भारत जोड़ो यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 145 दिन के बाद सोमवार को समाप्त हो गई। राहुल ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा की। उन्होंने अपनी यात्रा से भाजपा पर कई बड़े हमले किए। राहुल ने भाजपा पर देश को बांटने और हिंसा फैलाने का भी आरोप लगाया। इस बीच कई राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि राहुल की इस यात्रा से उन्हें चुनावी फायदा मिल सकता है। राहुल से पहले हाल के दशकों में भारत में कई राजनीतिक नेताओं द्वारा पदयात्राएं की गई हैं।

### 1985 में कांग्रेस संदेश यात्रा

1985 में कांग्रेस संदेश यात्रा की घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी ने मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) के पूर्ण सत्र में की थी। प्रदेश कांग्रेस कमेटियों (पीसीसी) और कांग्रेस नेताओं ने मुंबई, कश्मीर, कन्याकुमारी और पूर्वोत्तर से एक साथ चार यात्राओं के रूप में यात्रा की। यात्रा तीन महीने से अधिक समय के बाद दिल्ली के रामलीला मैदान में संपन्न हुई।

### 1990 में लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में रथ यात्रा

अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन को गति देने के लिए रथ यात्रा निकाली गई। सितंबर 1990 में शुरू हुई यात्रा ने 10,000 किमी की दूरी तय की और 30 अक्टूबर को अयोध्या में इसे समाप्त होना था। इसे उत्तर बिहार के समस्तीपुर में रोका गया और आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि रथ यात्रा ने बीजेपी की चुनावी और वैचारिक पहुंच को बढ़ा दिया। जैसे-जैसे मंदिर की मांग जोर पकड़ती गई, भाजपा को भी चुनावों में फायदा होता गया।

### 1983 में चंद्रशेखर की भारत यात्रा

लगभग चार दशक पहले, पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन जनता पार्टी के नेता चंद्रशेखर ने भी कन्याकुमारी से एक पदयात्रा शुरू की थी। यहां से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा भी पिछले साल 8 सितंबर को शुरू हुई थी। 6 जनवरी 1983 को शुरू होने के छह महीने बाद उस समय चंद्रशेखर को मैराथन मैन जैसा उपनाम मिला। अपने मार्च के दौरान लोगों से जुड़ने के लिए गांव-गांव से गुजरते हुए उनका कद और यात्रा के प्रति आकर्षण बढ़ता गया।हालांकि, इंदिरा गांधी की हत्या जैसी घटना ने 1984 के चुनावों में इसके प्रभाव को कम कर दिया।

### 1990 में कांग्रेस की सद्भावना यात्रा

इसकी शुरुआत राजीव गांधी ने 19 अक्टूबर, 1990 को की थी। दिलचस्प बात यह है कि 1 नवंबर को राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान प्रतिष्ठित चारमीनार में उसी स्थान पर तिरंगा फहराया था, जहां से राजीव गांधी ने सद्भावना यात्रा की शुरुआत की थी।

### 1991 में भाजपा की एकता यात्रा

इस यात्रा का नेतृत्व तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने किया था। राष्ट्रीय एकता के लिए भाजपा के समर्थन और अलगाववादी आंदोलनों के विरोध को उजागर करने की मांग की थी। यह दिसंबर में तमिलनाडु के कन्याकुमारी में शुरू हुई थी और इसने 14 राज्यों को कवर किया। आडवाणी की रथ यात्रा के बाद इसने भाजपा को चुनावों में जबरदस्त फायदा दिया।

# राहुल गांधी की राह पर सचिन पायलट

**» राजस्थान के गांव-गांव में कर रहे दौरे**

**अपनी सियासी ताकत बढ़ाने की जुगत में लगे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी पूरे देश को भारत जोड़ो यात्रा के तहत मथ रहे तो वहीं राजस्थान के दिग्गज नेता सचिन पायलट पूरे राज्य में दौरे कर रहे। इस दौरे के जरिये वह कांग्रेस की सत्ता को प्रदेश में बरकरार रखना चाहते हैं। अपनी यात्रा के दौरान वह मोदी सरकार को घेर रहे साथ ही कांगेस के हाथ को मजबूत करने में भी जुटे हैं। गौरतलब हो कि राजस्थान में सचिन पायलट की लगातार अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस आलाकमान सचिन पायलट को बार-बार आश्वासन दे रहा है कि उन्हें उचित मान सम्मान मिलेगा। प्रदेश की राजनीति में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मगर कांग्रेस आलाकमान द्वारा पायलट को ताकतवर बनाने की दिशा में अभी तक कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हो पाई है। इससे सचिन पायलट का भी धीरज जवाब देने लगा है। इसीलिए वह एक बार फिर मुखर होकर बयान देने लगे हैं।

कुछ दिनों पूर्व सचिन पायलट भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पंजाब में राहुल गांधी से मिलकर राजनीतिक चर्चा की थी। उसके बाद लौटकर उन्होंने राजस्थान में जाट बहुल नागौर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, पाली व जयपुर में बड़ी-बड़ी जनसभाएं कर अप्रत्यक्ष रूप से गहलोत सरकार पर निशाना साध रहें हैं। पायलट की मीटिंगो में हजारों की संख्या में लोग शामिल हो रहें हैं। हर जगह पायलट ने बेरोजगारों, युवाओं, किसानों, दलितों व पीड़ितों के पक्ष में बातें रखकर गहलोत सरकार को घेरने का काम किया है। सचिन पायलट की जनसभाओं में उमड़ रही भीड़ को देखकर गहलोत के हाथ पांव फूल गए। उन्होने अपने मंत्रियों को तुरंत प्रदेश के दौरे पर रवाना कर जन समस्याओं को सुलझाने के निर्देश दिए है। पायलट को यह बात अच्छी तरह समझ में आ चुकी है कि गहलोत के सामने कांग्रेस आलाकमान बेबस हो रहा है, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी चाहे पायलट के धैर्य की कितनी भी तारीफ करें। गहलोत के मुख्यमंत्री रहते उनको कुछ भी मिलने वाला नहीं है, पायलट जान चुके हैं कि फिलहाल गांधी परिवार उन्हें सिर्फ दिलासा के अलावा और कुछ नहीं दे सकता हैं, मुख्यमंत्री गहलोत पायलट को बार-बार कांग्रेस से बगावत करने वाले नेता के तौर पर कठघरे में खड़ा करते रहते हैं। मगर गहलोत द्वारा स्वयं ही पार्टी आलाकमान के निर्देशों को नहीं मानकर खुलेआम बगावत करने की घटना को गहलोत मात्र एक छोटी सी भूल बताकर उस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहते हैं।

गहलोत समर्थक विधायकों द्वारा 25 सितंबर 2022 को जयपुर में कांग्रेस पर्यवेक्षक मलिकार्जुन खरगे व अजय माकन की उपस्थिति में कांग्रेस विधायक दल के समानांतर कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल के घर पर अलग से विधायकों की मीटिंग आयोजित कर विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपने की घटना को गहलोत सिर्फ माफी मांग कर समाप्त कर देना चाहते हैं। उस घटना के बाद गहलोत ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से माफी मांग कर अपने को पाक साफ कर लिया था। जबकि सचिन पायलट को गहलोत अभी तक भी गुनाहगार मानते आ रहे हैं। सचिन पायलट को कांग्रेस आलाकमान से इस बात को लेकर भी गहरी नाराजगी है कि कांग्रेस पर्यवेक्षकों के सामने समानांतर मीटिंग बुलाने के दोषी कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी व पर्यटन निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस दिए हुए करीबन साढ़े तीन माह बीत जाने के बाद भी अभी तक उनके खिलाफ किसी तरह की कार्यवाही नहीं की गई है। इतना ही नहीं उस घटना के दोषी तीनों ही नेता पार्टी के हर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। पायलट कई बार कारण बताओ नोटिस देने वाले नेताओं के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग कर चुके हैं। उसके उपरांत भी अभी तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे पायलट को लगता है कि मुख्यमंत्री गहलोत के दबाव में कांग्रेस आलाकमान इन तीनों नेताओं के खिलाफ किसी भी तरह की कार्यवाही को टाल रहा है। जबकि सचिन पायलट ने जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कार्यशैली के खिलाफ बगावत की थी तब उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री के पद से तथा उनके समर्थक तीन मंत्रियों महाराजा विश्वेंद्र सिंह, रमेश मीणा, मुरारी लाल मीणा को तत्काल पद से बर्खास्त कर दिया गया था. पायलट की नजरों में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# महिला क्रिकेटरों ने बजाया भारत का डंका

**बात महिला क्रिकेटरों की जीत की हो रही है उनकी जीत की तुलना कपिल देव के नेतृत्व में 1983 में पुरुष क्रिकेट विश्वकप कीकामयाबी से की जा रही है। क्रिकेट से जुड़े एक्सपर्ट इस जीत से भारतीय परिदृश्य में महिला क्रिकेट हमेशा के लिये जुझारु तेवरों के साथ नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। इस विश्वकप में भारतीय खिलाड़ी हर क्षेत्र में उम्दा खेलीं। वह चाहे क्षेत्ररक्षण हो, बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी। इस टूर्नामेंट में कोई मैच न हारने वाली इंग्लैंड की टीम को जोश से भरी भारतीय महिला क्रिकेटरों ने महज 17 ओवर में 68 रनों पर समेट दिया और 14 ओवर में जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया।**

*पिछले कुछ सालों में भारत की महिला खिलाड़ी अपने खेल से पूरे विश्व में अपना डंका बजा रही हैं। बाक्सिंग में मैरीकाम, बैडमिंटन में साइना, सिंधू, कुश्ती में फोगाट बहनें , वेटलिफ्टिंग में मीराबई चानू परचम लहरा रहीं हैं। अब तो महिला क्रिकेटरों ने भी अपनी धाक जमा दी है। ज्ञात हो कि महिला क्रिकेटरों ने आईसीसी अंडर-19 टी-20 विश्वकप में जिस अंदाज़ में खिताब जीता उसे महिला क्रिकेट के इतिहास में नये भारतीय युग की शुरुआत कहा जा रहा है। अभी हाल ही में बीसीसीआई ने महिला आईपीएल के लिए टीमें भी उतारीं। इससे महिला क्रिकेटरों को भी पुरुषों की तरह पैसे कमाने का भरपूर मौका मिलेगा।*

*दरअसल, अब तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम कोई भी आईसीसी विश्वकप ट्राफी नहीं जीत पाई। जीत की दहलीज पर पहुंचकर भी वे कामयाब नहीं हो पायी। भारतीय टीम पहली बार विश्वकप चैंपियन बनी है। वर्ष 2005 में भारतीय टीम वर्ल्डकप के फाइनल में पहुंची , मगर आस्ट्रेलिया से हार गयी। फिर वर्ष 2017 में वन डे विश्वकप में फाइनल में भारतीय टीम इंग्लैंड से हार गई। इसी तरह 2020 में टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय टीम आस्ट्रेलिया से हार गई। यहां तक कि पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारतीय महिला टीम खिताब से वंचित रह गई थी। अब 19 साल से कम उम्र की बेटियों ने सीनियरों की हार को जीत में बदल दिया है। इस जीत के बाद भारत दुनिया का अकेला देश बन गया है जिसके खाते में वन डे वर्ल्ड कप, टी-20 वर्ल्ड कप, पुरुष अंडर-19 और महिला अंडर-19 विश्वकप हैं। यह कामयाबी भारत ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने वाली शेफाली वर्मा के नेतृत्व में हासिल की। सीनियर टीम में खेलने वाली शेफाली ने टीम को विश्व चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। बहरहाल, बेटियों की इस कामयाबी से पूरा देश गदगद है। चारों तरफ बधाइयों का तांता लगा है। बीसीसीआई ने टीम व स्टॉफ को पांच करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की है। पिछले साल दीवाली से पहले बीसीसीआई ने अनुबंधित भारतीय महिला क्रिकेटरों को पुरुष क्रिकेटरों के बराबर फीस देने की घोषणा की थी। उनके लिये पे-इक्विटी पॉलिसी लागू करने का ऐलान किया गया। इस तरह भारतीय क्रिकेट लैंगिक समानता के युग में प्रवेश कर गया है। पिछले दिनों महिला प्रीमियर लीग की बोली ने पुरुष आईपीएल उद्घाटन सीजन के रिकॉर्ड तोड़ दिये। कुल पांच टीमें 4670 करोड़ में बिकी। दरअसल, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमों के लिये बोली लगी थी। इन बेटियों के लिये पर्याप्त सुविधाएं नहीं थी। लड़कों के साथ खेलने के लिए कई ने अपने बाल कटवाये। मां-बाप ने त्याग करके बेटियों के अरमानों को पूरा किया।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# जीवन दर्शन भी है रामचरितमानस

ललित गर्ग

देश में अनेक राजनीति एवं गैर-राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित अराष्ट्रवादी एवं अराजक शक्तियां हैं जो अपने तथाकथित संकीर्ण एवं देश तोड़क बयानों से देश की एकता, शांति एवं अमन-चैन को छीनने के लिये तत्पर रहती हैं, ऐसी ही शक्तियों में शुमार बिहार के शिक्षा मंत्री श्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, संत शिरोमणि तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने तथ्यहीन, घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म-विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है। हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी थी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि देश के प्रमुख राजनेता ने सच्चाई को जानते हुए जानबूझकर भड़काऊ एवं उन्मादी बयानों से देश की मिली-जुली संस्कृति को झुलसाने का काम किया है। मौर्य के ऐसे हिंसक एवं उन्मादी विचारों को क्या हिन्दू हाथ पर हाथ धरे देखते रहेंगे? क्यों ऐसे बयानों से देश की एकता एवं सर्वधर्म संस्कृति को तोड़ने की कुचेष्ठाएं की जाती हैं? रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं। आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक 'सर्वधर्म समभाव' के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग-विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं।

मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरू हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों

के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी। इसके पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। लेकिन सैंकड़ों वर्षों से घर-घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। मानस कोई पुस्तक नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र निर्माण का विश्वविद्यालय है और लोगों के कार्य व्यवहार में इसे स्पष्टता से देखा जा सकता है। यह मानने की बात नहीं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने जीवन में मानस की चौपाइयों और दोहों का पाठ न किया हो। इसलिए कहा जा सकता है कि राजनीति में इस समय हाशिये पर चल रहे मौर्य ने चर्चा में रहने के लिए एक बेवजह का विवाद खड़ा किया है। राजनीतिक लाभ के लिए जनभावनाओं का अपमान एवं तिरस्कार करना किसी भी कोण से उचित नहीं। इसीलिए मौर्य का प्रबल विरोध भी हो रहा है। उनकी पार्टी के ही लोग उनके विचारों से सहमत नहीं हैं।

भारतीय राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी राजनेता धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं। मौर्य ने रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी कर न सिर्फ अपनी अपरिपक्व राजनीतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि अपने सनातन संस्कारों को भी तिरस्कृत किया है। यह विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

# कोरोना से खौफ़जदा चीन में नये साल का जश्न

अनिल आजाद पांडे

कोरोना के खिलाफ लड़ाई जीतने का दावा कर चुके चीन में हाल में ओमिक्रॉन वेरियंट ने खूब आतंक मचाया। हालांकि बीजिंग, शंघाई जैसे महानगरों में अधिकांश लोगों को अपनी चपेट में लेने के बाद महामारी अपने पीक से नीचे आ चुकी है। लेकिन इन दिनों छोटे कस्बों और गांवों में कोरोना अपना असर दिखा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह वसंत त्योहार यानी लूनर न्यू ईयर को कहा जा सकता है। क्योंकि इस दौरान करोड़ों चीनियों ने अपने गांव, घरों का रुख किया और अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाया। इसे दुनिया का सबसे बड़ा मास माइग्रेशन कहा जाता है, इतनी बड़ी संख्या में शायद ही किसी और देश में लोग किसी त्योहार के मौके पर इधर-उधर जाते हों। चीन में एक कहावत से इसके महत्व का पता चलता है, चाहे जेब में पैसा हो या न हो, हर कोई अपने घर वापस जाकर नया साल मनाना चाहता है।

आंकड़ों की मानें तो हफ्ते भर में लगभग 30 करोड़ लोगों ने चीन के भीतर यात्रा की और 28 लाख से अधिक चीनी पर्यटक विदेश घूमने गए। इतना ही नहीं, इस अवधि में 10 करोड़ लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्में देखीं और बॉक्स ऑफिस की कमाई 73 अरब रुपये से ज्यादा रही। इससे जाहिर होता है कि चीनी नागरिकों ने कोरोना के खतरे की भी परवाह नहीं की और छुट्टियों का पूरा लुत्फ उठाया। इससे चीनी बाजार और अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की खबर है। इसके साथ ही लोगों ने मंदिर मेलों में जाने, लालटेन उत्सव का हिस्सा बनने, शेर नृत्य व ड्रैगन नृत्य देखने के अलावा पहेली बुझाने व आतिशबाजी का भी आनंद उठाया। वसंत उत्सव को चीन का नया साल भी कहा जाता है, जो चीन में सबसे बड़ा फेस्टिवल माना जाता है। एक ऐसा उत्सव, जिसमें सात दिन तक विभिन्न कार्यालय व स्कूल, कॉलेज आदि सब बंद रहते हैं। इसे गोल्डनवीक की संज्ञा दी गयी है। छुट्टियां शुरू होते ही ट्रेनों और बसों में घर जाने वालों की भारी भीड़ दिखी, जबकि हवाई व जल मार्ग से यात्रा करने वालों की तादाद भी कम नहीं थी। हालांकि लोगों के लिए टिकट खरीदना आसान नहीं रहता है।

अगर चीनी नव वर्ष के इतिहास की बात करें तो यह लगभग 4 हजार साल पुराना है। ऐसा विश्वास है कि इसकी शुरुआत देवताओं और पूर्वजों की पूजा करने, धन कमाने और राक्षसों को भगाने से हुई थी। पहले वसंत उत्सव का कोई नाम नहीं था और न ही इसके उत्सव की कोई निश्चित तिथि निर्धारित थी। लेकिन चीनी चंद्र पंचांग के विकास के साथ-साथ वसंत त्योहार की तारीख तय की गयी, जो प्रत्येक वर्ष अलग-अलग तारीख को होता है। वर्तमान साल चीन में खरगोश का वर्ष है। ध्यान रहे कि चीनी राशि चक्र के मुताबिक हर नया वर्ष किसी न किसी जानवर से जुड़ा हुआ होता है। वैसे इस चक्र में कुल 12 जानवर शामिल होते हैं। जबकि हर 12 साल में यह चक्र दोहराता है। इस राशि चक्र में 12 पशु तय हैं, जिनमें चूहा, बैल, बाघ, खरगोश, ड्रैगन, सांप, घोड़ा, बकरी, बंदर, मुर्गा, कुत्ता और सूअर शामिल हैं।

लेकिन वसंत त्योहार के आगमन ने चीन सरकार व एजेंसियों के सामने चुनौती खड़ी कर दी। बता दें कि साल 2020 की शुरुआत में जब चीन के वुहान में वायरस ने तबाही मचाई, तब भी नया साल ही चल रहा था। उसके बाद दो वर्ष तक चीन में इस फेस्टिवल का जोश नदारद रहा, क्योंकि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सख्त नियम लगा दिए गए। इस कारण अधिकतर चीनी अपने परिजनों के साथ मिल-बैठकर त्योहार नहीं मना सके थे। इस बार 21 जनवरी से छुट्टियां होते ही लोगों ने घर वापस जाने का मौका नहीं छोड़ा। गौरतलब है कि हाल में चीन सरकार ने ज़ीरो कोविड पॉलिसी में ढील देने की घोषणा की। विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए भी क्वारंटीन में रहने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गयी। इससे पहले चीन में दुनिया के सबसे कड़े कोविड नियम लागू थे। एक ओर अन्य देशों में कोरोना महामारी की कई लहरें आयीं और लाखों लोगों की मौत हुई, दूसरी तरफ चीन सरकार अपने लोगों को बचाने में कामयाब रही। लेकिन जैसे ही कड़े नियमों को खत्म करने का ऐलान हुआ, लोग आराम से बाहर घूमने लगे। इसी बीच ओमिक्रॉन बीएफ 7 ने चीनियों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया।

विशेषज्ञों के मुताबिक हाल के दिनों में शंघाई में लगभग 70 फीसदी लोग कोरोना संक्रमित हुए। चीन के राजनीतिक केंद्र बीजिंग में भी वायरस ने अधिकांश लोगों को अपनी चपेट में लिया। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ देखी गयी। चीन ने दिसंबर से ही कोविड संक्रमित लोगों को घर पर ही आइसोलेट होने की इजाजत दे दी थी। ओमिक्रॉन का यह वेरियंट काफी संक्रामक था। शायद यही वजह है कि कुछ ही हफ्तों में यह वायरस देश के कोने-कोने में फैल गया। राहत की बात है कि वायरस ने युवाओं और बच्चों पर उतना असर नहीं दिखाया, वे 7-10 दिन में ठीक हो गए। पर उम्रदराज और पहले से बीमारियों से जूझ रहे लोगों की वायरस के कारण मौत भी हो रही है। हालांकि चीन ने इस लहर के आते ही कोविड संक्रमण और मौत का डेटा साझा करना बंद कर दिया। उधर डब्ल्यूएचओ का आरोप है कि चीन ने इस लहर की भयावहता को सार्वजनिक नहीं किया। साथ ही इंटरनेशनल हेल्थ एजेंसियां चीन को संक्रमण, अस्पतालों में भर्ती दर और मौत का आंकड़ा शेयर न करने के लिए कठघरे में खड़ा कर रही हैं। अब चीनी नागरिक त्योहार मनाकर अपने काम पर लौट रहे हैं और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन के बड़े शहरों में फिर से कोरोना संक्रमण में तेजी आ सकती है।

**तिल को फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत माना जाता है। तिल के बीज के नियमित रूप से सेवन से शरीर में फाइबर की मात्रा बढ़ती है, जिसे पाचन स्वास्थ्य के लिए विशेष लाभकारी पाया गया है। फाइबर आपको हृदय रोग, कुछ प्रकार के कैंसर, मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम से बचाने में सहायक माना जाता है।**

# फाइबर का उत्कृष्ट स्रोत हैं तिल के बीज

तिल के छोटे बीज, सेहत के लिए कई प्रकार से विशेष लाभकारी हो सकते हैं।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि तिल के सेवन से कई गंभीर बीमारियों के जोखिम को भी कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ, ठंड के इस मौसम में शरीर को अंदरूनी गर्मी प्रदान करने के लिए भी तिल के सेवन की सलाह देते हैं। यही कारण है कि तिल और गुड़ से बने लड्डू भी इस मौसम में खाने की परंपरा रही है। तिल के बीज के कई संभावित स्वास्थ्य लाभ हैं। इसे हजारों वर्षों से लोक चिकित्सा में भी उपयोग किया जाता रहा है। हृदय रोग, मधुमेह और गठिया जैसी समस्याओं के जोखिम को कम करने के साथ तिल को पाचन स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभकारी पाया गया है। आइए इसके सेवन से होने वाले फायदों के बारे में आगे विस्तार से जानते हैं। तिल में सेसमिन एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने का कार्य करता है। इसी कारण लंग कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और पेट का कैंसर आदि की संभावनाओं को भी काफी कम कर देता है।

## बेहतर इम्युनिटी में सहायक

तिल के बीज प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें जिंक, सेलेनियम, कॉपर, आयरन, विटामिन-बी 6 और विटामिन ई की मात्रा होती है। ये पोषक तत्व इम्युनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में लाभकारी माने जाते हैं। इसमें मौजूद जिंक, सफेद रक्त कोशिकाओं में वृद्धि करके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देने में सहायक है। प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होने से संक्रामक रोगों से बचाव करना आसान होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि नियमित रूप से तिल खाने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। तिल मस्तिष्क की कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है। बुजुर्गों में याददाश्त कम होने लगती है इसके लिए उन्हें तिल का रोज सेवन करना चाहिए।

## हड्डियों को बनाता है मजबूत

सर्दियों के मौसम में तिल गुड़ का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती है और जोड़ों का दर्द भी ठीक होता है। तिल में पाया जाने वाला कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस हड्डियों के निर्माण में सहायक होता हैं। सर्दी के मौसम में यदि रोज तिल और गुड़ का सेवन करेंगे तो हड्डियों का दर्द नहीं होगा। दिन में एक बड़ा चम्मच तिल खाए खाएंगे तो इससे दांत भी मजबूत होते हैं। यही नहीं यह प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। तिल के तेल का इस्तेमाल हड्डियों और मांसपेशियों की मालिश के लिए भी किया जाता है। तिल में पाया जाने वाला लिपोफिलिक एंटीऑक्सीडेंट तनाव को कम करने का कार्य करता है, इससे याददाश्त कम होने की समस्या भी ठीक हो जाती है।

## डायबिटीज रोगियों के लिए है फायदेमंद

ब्लड शुगर की समस्या को कम करके, डायबिटीज की अन्य जटिलताओं से बचाने में भी तिल का सेवन करना लाभकारी पाया गया है। तिल के बीज में कार्ब्स की मात्रा कम होती है और इसे प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर पाया गया है, जो डायबिटीज में फायदेमंद हो सकता है। इसके अतिरिक्त, अध्ययन के अनुसार इन बीजों में पिनोरेसिनॉल नामक एक यौगिक होता है जो पाचन एंजाइम माल्टेस की क्रिया को बाधित करके रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद करता है।



## त्वचा को निखारे

तिल के रोजाना नियमित सेवन से त्वचा भी खूबसूरत होती है। इसके अतिरिक्त त्वचा को निखारने के लिए तिल को पीसकर इसका लेप लगाने से भी फायदा होता है। तिल के तेल का उपयोग करने से भी फायदा देखने को मिलेगा।

## दिल की बीमारी होगी ठीक

दिल की बीमारी खराब जीवनशैली और खराब खानपान की आदत के कारण होती है। इसके लिए तिल का नियमित रूप से सेवन करें। तिल में पाया जाने वाला मोनो सैचुरेटेड फैटी एसिड शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने का कार्य करता है। तिल को गुड़ के साथ खाने से और अधिक फायदा होगा क्योंकि गुड़ में सभी तरह के मिनरल्स होते हैं जिससे अन्य फायदे भी होंगे। तिल में पाया जाने वाला कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक और सेलेनियम हृदय की मांसपेशियों को सक्रिय करने में मदद करते हैं। जिससे दिल की मांसपेशियां हमेशा तंदुरुस्त रहती है।



## हंसना मना है

भिखारी- लड़की से बोला कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबाज्ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

जिस लौंडे कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा "Try Ball" पर ही आउट हो गया।

लड़की: प्लीज मेरे हसबंड को अंदर बुला लीजिये, डॉक्टर: घबराओ नहीं मैं एक शरीफ आदमी हुं। लड़की: आप समझे नहीं, बाहर आपकी नर्स अकेली है।

बिपाशा को लड़का हुआ 'काला' जॉन बोला : तू गोरी में गोरा फिर लड़का क्यू 'काला' बिपाशा बोली : तू 'हॉट' मै 'हॉट' लड़का जल गया 'साला'

गवर्नमेंट का नया रूल। जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे है उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू: अपने 3 कहां गए? वाईफ: जिसके थे वह ले गया।

## कहानी | मूर्ख कौआ और चालाक लोमड़ी

किसी जंगल में एक कौआ रहता था। हर कोई उससे दूर ही रहता था, क्योंकि वह अपनी कर्कश आवाज में गाता रहता था और सभी जानवर उससे परेशान रहते थे। एक दिन वह भोजन की तलाश में जंगल से दूर गांव की ओर निकल कर आ गया। किस्मत से उसे वहां एक रोटी मिल गई। रोटी लेकर वो वापस जंगल की ओर आ गया और आकर अपने पेड़ पर बैठ गया। वहीं से एक लोमड़ी जा रही थी और उसे बहुत तेज भूख लगी हुई थी। उसने कौवे के पास रोटी देखी और रोटी को किसी भी तरह खाने का विचार करने लगी। जैसे ही कौआ रोटी खाने को हुआ, नीचे से लोमड़ी की आवाज आई -अरे कौआ महाराज, मैंने सुना है कि यहां पर बहुत सुरीली आवाज में कोई गाना गाता है, क्या वो आप हैं। लोमड़ी के मुंह से अपनी आवाज की तारीफ सुनकर कौआ मन ही मन बहुत खुश हुआ और अपना सिर हां में हिला दिया। इस पर लोमड़ी बोली कि क्यों मजाक कर रहे हो महाराज। इतनी मधुर आवाज में आप गा रहे थे, मैं यह कैसे मान लूं? अगर आप गा कर बताएंगे, तो मुझे यकीन हो जाएगा। कौआ लोमड़ी की बात सुनकर जैसे ही गाने को हुआ, उसके मुंह में दबी रोटी नीचे गिर गई। रोटी नीचे गिरते ही लोमड़ी ने रोटी पर झपट्टा मारा और रोटी खाकर वहां से चली गई। भूखा कौआ लोमड़ी को देखता रह गया और अपने किए पर बहुत पछताया।

**कहानी से सीख:** इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। साथ ही ऐसे लोगों से बचना चाहिए, जो आपकी झूठी प्रशंसा करते हैं। ऐसे लोग सिर्फ अपना काम निकलवाने के लिए ऐसा व्यवहार करते हैं।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

**वृषभ**

शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

**मिथुन**

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

**कर्क**

'धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे।

**सिंह**

कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

**कन्या**

पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

**तुला**

पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

**वृश्चिक**

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

**धनु**

जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

**मकर**

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास?थ्य प्रभावित होगा।

**कुम्भ**

जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

**मीन**

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

# अब ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार वाणी कपूर

कई दिनों से एक्ट्रेस वाणी कपूर बड़े पर्दे से गायब हैं। लेकिन अब वो ओटीटी पर अपने नए अंदाज में आ गई हैं। वह फिलहाल सातवें आसमान पर हैं। हमें ट्रेड के करीबी सूत्रों से पता चला है कि वाणी एक वेब शो करने के लिए तैयार हो रही हैं। शो को यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) बना रहे हैं और मर्दानी के लेखक गोपी पुथरान मेगाफोन इसमें साथ देंगे। वाणी और गोपी ने शो में काम करना शुरू कर दिया है। एक्ट्रेस ने उनके साथ स्क्रिप्ट को लंबे समय तक पढ़ा है।

गोपी ने आदित्य चोपड़ा को वाणी कपूर का नाम सुझाया और आदित्य ने अंतिम सहमति दी। इसकी शूटिंग जल्द शुरू होगी। शो का एक बड़ा हिस्सा मुंबई में शूट किया जाएगा। एक सूत्र ने कहा, वाणी केवल उन प्रोजेक्ट की तलाश में हैं जहां वह याद रखने के लिए एक प्रदर्शन दे सकें। उन्हें एक चुनौती पसंद है और वह अपनी एक्टिंग में पूरी तरह से उतरती हैं। उन्होंने चंडीगढ़ करे आशिकी में यह शानदार प्रदर्शन किया। सूत्र ने आगे कहा, जबकि वह थिएटर को तरजीह देती हैं, वह खुद को अच्छे डिजिटल प्रोजेक्ट्स में देखती हैं। यह एक किरकिरा, धारदार क्राइम थ्रिलर है जिसे ब्लैक्स बना रहा है। यह एक शानदार कॉन्टेंट है और इसके बारे में वो बेहद एक्साइटेड हैं। वे इसको ऐसे पैमाने पर लाएंगे जो लोगों को आश्चर्यचकित कर देगा।

### वाणी की तारीफ

सूत्र ने कहा, गोपी साफ थे कि वह किसी ऐसे को कास्ट करना चाहते थे जो ओटीटी में ताज़ा हो। वह एक ठोस कलाकार चाहते थे जो इस रोमांचक थ्रिलर में खुद को पकड़ सके और शानदार काम कर सके। गोपी को इसे टाइटल देने के लिए एक कलाकार की जरूरत थी। उन्होंने हमेशा वाणी की फिल्मों में उनके काम की सराहना की है।

बॉलीवुड | मसाला

## बाहों में बाहें डाले स्पाट हुए केएल राहुल व आथिया

अपनी स्पेशल इंटीमेट वेडिंग के बाद हाल ही में अथिया शेट्टी और केएल राहुल को पब्लिक में स्पॉट किया गया। काफी सालों से एक दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने अब हमेशा के लिए एक-दूसरे का हाथ थाम लिया है। केएल राहुल भले ही अथिया शेट्टी को हनीमूबन पर नहीं ले जा रहे हैं लेकिन इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि वो अपनी बैटरहाफ के साथ सारा वक्त बिता पाएं। दोनों को बिलकुल कैजुअल अवतार में जींस और टी शर्ट में बांद्रा के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया। अथिया ने जहां प्रिंटेट ब्लू और ब्राउन शर्ट पहन रखी थी वहीं केएल राहुल ने व्हाइट टी के साथ ब्लू डेनिम पेयर किए थे। फोटोग्राफर्स के सामने एक दूसरे के बेहद करीब आकर पोज दिए। केएल राहुल के चेहरे की स्माइल तो और भी ज्यादा बढ़ गई है।

बॉलीवुड | ओटीटी डेब्यू

## पिस्टल लोड करके सुष्मिता सेन करेंगी दुश्मनों पर घातक वार

सुष्मिता सेन एक बार फिर सबका दिल दहलाने आ रही हैं। आर्या से ओटीटी पर डेब्यू करने वाली सुष्मिता सेन आर्या-3 में भी दिखाई देंगी। पहले दो पार्ट में घातक शेरनी के अवतार में नजर आने के बाद वो एक बार फिर डराने वाली हैं। ऐसे में आर्या-3 का एक शॉर्ट क्लिप जिसे टीजर भी कहा जाता है काफी वायरल हो रहा है। इस क्लिप में सुष्मिता सेन एकदम कमाल, धमाल और बवाल लग रही हैं। 2021 में जब आर्या-2 वेब सीरीज आई तो उसमें सुष्मिता सेन ने अपने दुश्मनों को खत्म कर दिया था। बच्चों के साथ देश छोड़कर भागने का प्लान बनाया। उन्हें लगा कि अब सब ठीक है लेकिन कहते हैं ना कि कभी-कभी चाल उलटी भी पड़ सकती है। वहीं Aarya 3 में नजर आने वाला है। सुष्मिता सेन का नया दुश्मन, नए प्लान और नई चाल के साथ आर्या की जिंदगी में एंट्री करेगा। टीजर की बात करें तो सुष्मिता सेन भी वापसी के लिए एकदम तैयार लग रही हैं। उनकी आंखों में खौफ बिलकुल भी दिखाई नहीं दे रहा है। दिखेगा भी कहां से आंखों पर काले रंग का भारी भरकम चश्मा जो चढ़ा है। पिस्तौल भी लोड कर ली है और साथ ही सिगार जला कर फिक्र को धुंए में उड़ाती हुई नजर आ रही हैं।

सुष्मिता सेन के हाथ में वही सिगार है जिसे उन्होंने अपने दुश्मनों से छीना था। एक्ट्रेस ने टीजर शेयर कर जानकारी दी कि वो अभी भी आर्या-3 की शूटिंग में व्यस्त हैं। आर्या-3 जल्द ही डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज की जाएगी। अब फैंस को सुष्मिता सेन के बदले हुए तेवर देखने का बेसब्री से इंतजार है। उम्मीद है कि सुष्मिता सेन कसौटी पर खरी उतरेंगी।

## ये है दुनिया की सबसे अनोखी अदालत, जिसमें इंसानों की नहीं बल्कि होती है भूतों की पेशी

आज हम आपको एक ऐसी अदालत के बारे में बताने जा रह हैं, जहां इंसानों की नहीं बल्कि भूत-प्रेतों की पेशी होती है। आपने दुनिया की तमाम ऐसी अदालतों के बारे में सुना होगा, जहां इंसानों को न्याय देने के लिए जज बैठते हैं और अपराधियों की पेशी होती है। लेकिन यह कोर्ट कुछ अनोखा है। हम आपको जिस कोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां इंसानों को नहीं बल्कि भूत-प्रेतों को सजा दिलाने के लिए अदालत लगाई जाती है। हालांकि हम सिर्फ इसे अंधविश्वास ही मानते हैं और इसे बढ़ावा देने का हमारा कोई उद्देश्य नहीं है। लेकिन लोगों की मान्यता है कि इस कोर्ट में भूतों को सजा दी जाती है। दरअसल, यूपी के गोंडा जिले में हाजी बाबा समसुद्दीन कादरी की खानकाह की एक दरगाह है। मान्यता है कि इस दरगाह पर ही एक अनोखी अदालत लगती है। यहां भूत-प्रेतों से छुटकारा पाने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। आप जानकर आश्चर्यचकित रह जाएंगे कि इस अदालत में बाकायदा दरोगा, मुंशी और पेशकार भी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं। इस अनोखी अदालत में एक घंटे में दस से 15 मामलों की सुनवाई होती है। दरगाह की गद्दी पर बैठने वाले नसीन अब्दुल अजीज कादरी का दावा है कि भूत-प्रेत हाजी के गुस्से से खौफ खाते हैं। वह बताते हैं कि इस दौरान पीड़ित का कोई नुकसान ना हो, इस बात का पूरा ध्यान रखा जाता है।

अजब-गजब | विचित्र है यहां के लोगों की परंपरा

# परिजनों के अंतिम संस्कार की राख सूप बनाकर पी जाता है ये समुदाय

दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग रहते हैं और हर हिस्से से जुड़ी हुई अपनी परंपराएं भी मौजूद हैं। इनमें से कुछ रीति-रिवाज़ तो भी फिर भी ठीक हैं, लेकिन कई जगहों पर कुछ ऐसा होता है, जिसे सुनकर ही हम खौफ में आ जाएं। अंतिम संस्कार से जुड़ी हुई एक ऐसी ही परंपरा दक्षिण अमेरिकी जनजाति यानोमानी में निभाई जाती है, जो इतनी अजीब है कि लोगों को सदमे में डाल देगी। हालांकि इन लोगों के लिए ये बिल्कुल सामान्य है।

जन्म और मृत्यु से जुड़े हुए रिवाज़ हर समाज और समुदाय में अलग-अलग होते हैं। हालांकि कुछ चीज़ें हर जगह एक जैसी ही हैं, मसलन शव को सम्मान पूर्वक आखिरी यात्रा पर भेजना। वहीं, दक्षिण अमेरिका में पाई जाने वाली यानोमानी जनजाति की बात करें ये अंतिम संस्कार से जुड़ी हुई अजीबोगरीब परंपरा का पालन करते हैं, जिसमें मृतक को जलाने के बाद

बची राख तक को सूप बनाकर पी जाते हैं।

आपने अंतिम संस्कार से जुड़ी हुई कुछ अजीबोगरीब परंपराएं सुनी होंगी, जिसमें शव को कब्र से निकालकर पार्टी के लिए ले जाते हैं या फिर जगह की कमी की वजह से ताबूतों की अदला-बदली कर दी जाती है। हालांकि यानोमानी जनजाति का रिवाज़ इससे अलग है। याानम या सेनेमा के नाम से मशहूर इस ट्राइब में अंतिम संस्कार के लिए मृत शरीर को पत्तों और दूसरी चीज़ों से ढक दिया जाता है। 30-40 दिन बाद वे उसे वापस लाते हैं बच गए शरीर को जलाते हैं। शरीर को जलाने के बाद जो राख बचती है, ये लोग उसका सूप बनाकर पी जाते हैं। इस रिवाज़ का पालन यहां पारंपरिक तौर पर किया जाता आया है। इस परंपरा कोएंडोकैनिबेलिज़्म कहा जाता है। इस समुदाय का मानना है कि मृत व्यक्ति की आत्मा को शांति तभी मिलती है, जब उसकी डेड बॉडी को रिश्तेदारों ने खाया हो। यही वजह है कि किसी न किसी तरीके से वे राख को खाते हैं। उनके मुताबिक वे इस तरह से आत्मा की रक्षा करते हैं। अगर किसी व्यक्ति की हत्या हुई है, तो उसके शरीर की राख सिर्फ महिलाएं ही खाती हैं और उनका अंतिम संस्कार भी अलग तरह से किया जाता है। यानोमानी ट्राइब अमेज़न के जंगलों में रहते हैं और इनके करीब 200-250 गांव हैं।

# चुनाव आते ही बीजेपी सीएए सीएए चिलाने लगती है: ममता

» मालदा में केंद्र पर बरसीं बोलीः राज्य का बकाया नहीं चुका रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मालदा की सभा से केंद्र सरकार पर जनकर बरसीं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र की बीजेपी सरकार संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर लोगों को बरगला रहीं है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि चुनाव आते ही बीजेपी सीएए-कां कां चिल्लाने लगती है। कां -कां करने के लिए कौआ है। लेकिन तुम क्यों सीएए-सीएए (कां -कां ) कर रहे हो। ये लोग एनआरसी के नाम पर सभी को जेल में डालना चाहते हैं। सीएए को लागू करने के नाम पर लोगों को भ्रमित कर रही है।

बनर्जी ने यह भी दावा किया कि वह और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) मतुआ समुदाय के लोगों का ख्याल रख रही है, जो मूल रूप से बांग्लादेश के हैं। ममता बनर्जी ने मंगलवार को मालदा के गाजल के सभा में अपना गुस्सा जाहिर किया। मुख्यमंत्री ने फिर केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार पर राज्य का बकाया नहीं चुकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने कई परियोजनाओं का पैसा रोक रखा है। न हमें कन्याश्री का पैसा मिलता है और न ही 100 दिनों के रोजगार का पैसा। उन्होंने शिकायत की कि केंद्र ने 100 दिनों के काम के लिए 7000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया।

## बंगाल से ईर्ष्या करता है केंद्र

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि न जाने क्यों केंद्र हमसे इतनी ईर्ष्या करता है। ईर्ष्या करने को लेकर ममता ने केंद्र की मोदी सरकार की भी आलोचना की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने जनकल्याण के लिए कोई काम नहीं किया है। तृणमूल कांग्रेस बंगाल विकास कार्य कर रही है। एक दिन ऐसा समय आएगा, इस बंगाल को विकास को लोग सलाम करेंगे। अब केंद्र केवल राजनीति कर रहा है। केंद्र परियोजना के बकाया पैसों का भुगतान नहीं करता है, बस राज्य केंद्रीय टीम भेजता है।

## सीएम ने अमर्त्य सेन को सौंपे दस्तावेज

कोलकाता। मुख्यमंत्री सोमवार को अमर्त्य सेन के घर गई थी। वहां उन्होंने कुछ कागज अमर्त्य सेन को सौंपे। मुख्यमंत्री ने दावे से कहा, कि यह असली कागज है और हमें पता है कौन सच बोल रहा है कौन झूठ? ये कागज आप रखें। मैं भी देखती हूं आगे क्या होता है। उस समय ममता बनर्जी के साथ भूमि राजस्व अधिकारी (बीएलआरओ) भी मौजूद थे। वहीं वीसी विद्युत चक्रवर्ती ने दावा किया, मुख्यमंत्री जो दस्तावेज दिखा रही हैं, वे प्रासंगिक नहीं हैं। कुलपति ने कहा कि उनके पास जो दस्तावेज हैं, उनमें केवल 1.25 एकड़ जमीन अमर्त्य सेन की है। कुलपति ने कहा, मैं नहीं चाहता कि अमर्त्य सेन का अपमान हो। लेकिन ऐसा ही रहा तो विश्व भारती के लोग भी (उपस्थित रहें)। सब के सामने भूमि नापी जाए।

# धनबाद: भीषण आग से 14 लोग जलकर खाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धनबाद। झारखंड के धनबाद में एक अपार्टमेंट में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। इस घटना में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य झुलस गए। धनबाद के उपायुक्त संदीप सिंह ने बताया कि शहर के जोड़ाफाटक इलाके में आशीर्वाद टावर की दूसरी मंजिल पर शाम छह बजे आग लगी। आग बुझाने के लिए करीब 40 दमकल गाड़ियों को लगाया गया।

झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने बताया कि मरने वालों की संख्या 14 है और 11 लोगों का इलाज चल रहा है। आग लगने के सही कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में 10 महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। भीषण अग्निकांड पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, धनबाद में आग लगने से लोगों की मौत अत्यंत हृदयविदारक है। जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है और घायलों का उपचार किया जा रहा है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसकी निगरानी कर रहा हूं। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने एक ट्वीट में दावा किया कि कम से कम 50 लोग अभी भी अपार्टमेंट में फंसे हुए हैं।

**10** महिलाएं व तीन बच्चे शामिल

## सिलेंडर में ब्लास्ट की वजह से लगी होगी आग

दमकल गाडियों ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। गौरतलब है कि इस टॉवर के पास में ही एक अस्पताल भी स्थित है। भीषण आग के कारण अपार्टमेंट में रहने वाले लोग काफी डरे और सहमे हैं। आग लगने का कारण गैस सिलेंडर में ब्लास्ट बताया जा रहा है।

## प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को धनबाद के एक अपार्टमेंट में लगी विनाशकारी आग में जनहानि पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। घटना में घायलों के लिए 50-50 हजार रुपये की राशि भी मंजूर की गई है। धनबाद के अपार्टमेंट में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने ट्वीट किया, धनबाद में लगी आग में प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। पीएम मोदी ने भी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

# सेल टैक्स टीम की लापरवाही से ट्रक ने ली छात्र की जान, साथी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। महाराजपुर हाईवे पर सेल टैक्स अधिकारियों की लापरवाही ने एक छात्र की जान ले ली। कानपुर बॉर्डर स्थित पुरवामीर के पास सेल टैक्स की टीम ने फतेहपुर जा रहे ट्रक को बीच सड़क रोकने का प्रयास किया। बचने के लिये ट्रक चालक ने गाड़ी भगा दी। जिसपर ट्रक आगे जा रहे बाइक सवार युवकों को कुचलते हुये भाग निकला। बाइक चला रहे छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, साथी गंभीर घायल है।

घटना के बाद सेल टैक्स के अधिकारी मौके से भाग निकले। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बुधवार सुबह आठ बजे महाराजपुर के पुरवामीर बॉर्डर स्थित एमजीए कॉलेज के पास सेल टैक्स की टीम लाठी डंडे लेकर बीच सड़क फतेहपुर की तरफ जा रहे वाहनों को जबरन रोक रही थी। तभी एक ट्रक आता दिखा और टीम ने रुकने का इशारा किया।




ट्रक चालक ने बचने के लिये गाड़ी दौड़ा दी। ट्रक चालक ने आगे बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। नौबस्ता निवासी बाइक चालक निखिल शुक्ला (20) ट्रक के नीचे आ गया। जिससे निखिल की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। उसका साथी आदित्य शर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे सीएचसी सरसौल में भर्ती कराया गया है।

# बर्फीली हवाओं से पारा लुढ़का सुबह-शाम की बढ़ गई है ठंड

पहाड़ों पर बर्फबारी कोहरा पड़ने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के चलते यूपी में सर्द हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। दिन में निकलने वाली धूप में जहां लोगों को छांव का सहारा लेना पड़ रहा है वहीं ठंडी हवाओं के चलने से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। कानपुर लखनऊ सहित आसपास के कई जिलों में सुबह से ही बादलों की आवाजाही जारी है। ऐसे में बारिश की भी आशंका जताई जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ इलाकों में बुधवार को घना कोहरा हो सकता है लेकिन उसके बाद सप्ताह भर मौसम शुष्क रहेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश के अनुसार सप्ताह भर अच्छी धूप खिलेगी लेकिन साथ ही बर्फीली



हवाओं का असर भी रहेगा। शुक्रवार तक रात के तापमान में लगभग तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिन का तापमान इसी तरह बरकरार रहेगा।

मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश भर में अधिकतम तापमान में 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास ही दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान वाराणसी में 26.2 डिग्री सेल्सियस और गोरखपुर में 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वहीं, न्यूनतम तापमान की बात की जाए तो अयोध्या में सबसे कम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बुधवार को लखनऊ और आसपास के इलाकों में हल्के से मध्यम घना कोहरा हो सकता है। हालांकि दिन के समय हवा चलेगी और मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

# हिमाचल प्रदेश: विधायकों की प्राथमिकता पर बजट तैयार करेंगे सीएम सुखविंदर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की नेतृत्व वाली सरकार इस बार अपना पहला बजट पेश करेगी। इस बजट में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का विजन नजर आएगा। बजट पेश करने से पहले राज्य सचिवालय में विधायक प्राथमिकता की बैठक रखी गई है। यह बैठक तीन दिन तक चलेगी। हर दिन अलग-अलग जिलों के विधायकों के साथ बैठक प्रस्तावित है। इन बैठकों की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू करेंगे।

बुधवार 1 फरवरी को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक विधायक प्राथमिकता की बैठक होगी। पहले दिन की बैठक में जिला ऊना, हमीरपुर, कुल्लू



और सिरमौर के विधायक भाग लेंगे. इस बैठक में विधायक बजट को लेकर अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से प्राथमिकता मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे, ताकि अलग-अलग योजनाओं में इसका फायदा उनके इलाके को मिल सके।

## क्या होती है विधायक प्राथमिकता बैठक

हर बार बजट सत्र से पहले विधायक प्राथमिकता बैठक का आयोजन किया जाता है। बजट में विधायक प्राथमिकता बैठक में सभी क्षेत्रों के विधायक मुख्यमंत्री के सामने अपने इलाके की प्राथमिकता को रखते हैं। इसके बाद सरकार विधायकों की इन प्राथमिकता को बजट में शामिल करती है। विधायकों की प्राथमिकता के आधार पर प्रदेश सरकार बजट बनाती है और इलाके की योजनाओं का भी ध्यान रखा जाता है। इलाके के लिए योजना बनाने के लिहाज से विधायक प्राथमिकता बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

## तीन फरवरी तक होगी बैठक

इसी तरह 2 फरवरी को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक जिला कांगड़ा और किन्नौर के विधायकों की बैठक होगी. दोपहर बाद 2 से शाम 5 बजे तक सोलन, बिलासपुर और मंडी जिला की बैठक प्रस्तावित है. 3 फरवरी के दिन सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे तक चंबा, शिमला और लाहौल स्पीति जिला के विधायकों की बैठक होगी।

## किस जिले में कितने विधायक

उत्तराखंड के विभिन्न शहरों में विधायकों की संख्या पर बात करें तो बिलासपुर में 4, चंबा में 5, हमीरपुर में 5, शिमला में 8, सोलन में 5, किन्नौर में 1 विधायक हैं. जबकि कांगड़ा में 15, मंडी में 10, ऊना में 5, कुल्लू में 4, सिरमौर में 5 और लाहौल स्पीति में 1 विधायक हैं।

# 'श्री अन्न योजना' की शुरुआत मिलेगा मोटे अनाज को बढ़ावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश कर रही हैं। कृषि क्षेत्र के लिए इस बार सरकार ने कई बड़े एलान किए हैं। सरकार ने इस साल किसानों को 20 लाख करोड़ तक ऋण बांटने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न योजना की शुरुआत की है। उन्होंने आगे मोटे अनाज को लेकर भी एलान किए। मोटे अनाज जिसे श्रीअन्न भी कहते हैं, इसे भी बढ़ावा दिया जा रहा है। हम दुनिया में श्रीअन्न के सबसे बड़े उत्पादक और दूसरे सबसे बड़े निर्यातक हैं। छोटे किसानों ने नागरिकों की सेहत को मजबूत करने के लिए श्रीअन्न उगाया है और बड़ी भूमिका निभाई है। सरकार कपास की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देगी। इससे किसानों, सरकार और उद्योगों को साथ लाने में मदद मिलेगी।

## कृषि क्षेत्र को यह मिला

*1. 20 लाख क्रेडिट कार्ड :* केंद्र सरकार ने किसानों की सहूलियत के लिए ऋण का दायरा बढ़ा दिया है। इस साल 20 लाख करोड़ तक किसानों को क्रेडिट कार्ड के जरिए ऋण बांटने का लक्ष्य रखा गया है। इससे लाखों किसानों को फायदा होगा।

*2. किसान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर :* किसानों के लिए अब किसान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्टक्चर प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। यहां किसानों के लिए उनकी जरूरत से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध होगी।

*3. एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा :* केंद्र सरकार ने कृषि के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा स्टार्टअप शुरू करवाने पर फोकस किया है। कृषि स्टार्टअप के लिए डिजिटल एक्सीलेटर फंड बनेगा जिसे कृषि निधि का नाम दिया गया है। इसके जरिए कृषि के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने वालों को सरकार की तरफ से मदद दी जाएगी।

*4. मोटे अनाज को बढ़ावा :* सरकार ने इस बार मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए अलग से योजना की शुरुआत की है। इसे श्री अन्न योजना नाम दिया गया है। इसके जरिए देशभर में मोटे अनाज के उत्पादन और उसकी खपत को बढ़ावा दिया जाएगा।

*5. बागवानी के लिए खोला खजाना :* सरकार ने इस बार बजट में बागवानी की उपज के लिए 2,200 करोड़ की राशि आवंटित की है। इसके जरिए बागवानी को बढ़ावा देने का फैसला लिया गया है।

*6. मछली पालन को भी मिलेगा बढ़ावा:* केंद्र सरकार ने मत्स्य संपदा की नई उपयोजना में 6000 करोड़ के निवेश का फैसला लिया है। इसके जरिए मछुआरों को बीमा कवर, वित्तीय सहायता और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य ग्रामीण संसाधनों का उपयोग करके ग्रामीण विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा देना है।

**6000 करोड़ का निवेश मत्स्य संपदा में**

*7. न्यूनतम समर्थन मूल्य का पैसा सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किया जाएगा*

बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ा एलान किया था कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का पैसा सीधे किसानों के खाते में ट्रांसफर किया जाएगा। इससे पहले एमएसपी का पैसा किसानों तक मंडियों और आढ़तियों के जरिए पहुंचता था। सरकार का दावा था कि इस फैसले से भ्रष्टाचार रोकने में मदद मिलेगी। इसका सीधा फायदा किसानों को मिलेगा। पिछले साल मध्य नवंबर तक के आंकड़ों के अनुसार खरीफ विपणन सत्र 2022-23 (खरीफ फसल) के लिए 231 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई। इसकी तुलना में पिछले वर्ष की इसी अवधि में लगभग 228 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी गई थी। सरकार की मानें तो खरीद से लगभग 47,644 करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ 13.50 लाख से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

## बजट- 2023

### स्वास्थ्य

**कोविड-19 से मुकाबले के लिए 220 करोड़ कोविड टीके**

बजट 2023-24 में हेल्थ सेक्टर को लेकर वित्तमंत्री ने इन विषयों पर जोर दिया। कोविड-19 से मुकाबले के लिए 220 करोड़ कोविड टीके दिए गए। 2014 से स्थापित मौजूदा 157 मेडिकल कॉलेजों के साथ कोलोकेशन में 157 नए नर्सिंग कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। साल 2047 तक सिकल सेल एनीमिया को खत्म करने के लिए मिशन स्थापित किया जाएगा। प्रभावित आदिवासी क्षेत्रों में 40 साल तक के 7 करोड़ लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। सरकार इस बीमारी (एनीमिया) को खत्म करने को लेकर काफी अलर्ट मोड में है। फार्मास्यूटिकल्स में अनुसंधान के लिए नए कार्यक्रम तैयार किए जाएंगे। अनुसंधान में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। सार्वजनिक और निजी चिकित्सा संस्थानों द्वारा अनुसंधान के लिए आईसीएमआर की चुनिंदा प्रयोगशालाओं में सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

### शिक्षा

**शिक्षा जगत, रोजगार, कौशल विकास के लिए धन बढ़ाया**

केंद्रीय बजट पेश करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिक्षा जगत, रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता प्रोत्साहन के लिए कई बड़ी एवं अहम घोषणाएं कीं। एकलव्य मॉडल स्कूलों के लिए बजट 2022-23 के दो हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2023-24 के लिए 5943 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, जिला स्तर पर शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। अगले तीन वर्षों में, सरकार आदिवासी छात्रों को समर्थन देने वाले 740 एकलव्य मॉडल स्कूलों के लिए 38,800 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करेगी। वहीं, राज्य सरकारों के साथ मिलकर ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर तक पुस्तकालय खोलने की दिशा में काम किया जाएगा।

### रेलवे : 2.4 लाख करोड़ का आवंटन

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के बजट में बढ़ोतरी कर दी है। वित्त मंत्री ने बताया कि रेलवे को कुल 2.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. जिनसे तमाम योजनाओं पर काम किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि अब तक का यह सबसे ज्यादा आवंटन है। साल 2013-14 के मुकाबले रेलवे का ये बजट लगभग 9 गुना ज्यादा है। वित्त मंत्री ने बताया कि रेलवे में 100 नई योजनाओं की शुरुआत होगी। इसके अलावा नई योजनाओं के लिए 75 करोड़ रुपये का फंड दिया गया है, निजी क्षेत्र की मदद से 100 योजनाओं की पहचान की गई है. जिस पर आगे काम किया जाएगा। केंद्र सरकार की तरफ से रेल मंत्रालय को पिछले साल यानी 2022 में कुल 140367.13 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। पिछले बजट में भी देखा गया था कि रेलवे के बजट में सरकार ने बढ़ोतरी की थी। तब 20 हजार करोड़ से अधिक की बढ़ोतरी रेल बजट में हुई। इसी दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा था कि अगले 3 सालों में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस 400 वंदे भारत ट्रेनों का निर्माण किया जाएगा।

# बजट से शेयर बाजार में उछाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शेयर बाजार की चाल में जोरदार तेजी आ गई है और बजट पेश होने के साथ ही शेयर बाजार गुलजार हो गया है। सेंसेक्स में 1100 अंकों से ज्यादा की मजबूती देखी जा रही है। बाजार खुलने के तुरंत बाद और बजट भाषण के दौरान ही सेंसेक्स में 500 अंकों से ज्यादा का उछाल देखा जा रहा था। हालांकि नए टैक्स स्लैब के एलान और 7 लाख रुपये तक की इनकम के टैक्स फ्री होने के साथ ही बाजार में जोरदार उछाल देखा गया। शेयर बाजार में दोपहर 1 बजे देखें तो 1143.33 अंक यानी 1.92 फीसदी की उछाल के साथ 60,693.23 पर देखा जा रहा है। एनएसई का निफ्टी 288.90 अंक यानी 1.64 फीसदी की उछाल के साथ 17,951.05 पर कारोबार कर रहा है। बीते सालों में बजट के दौरान शेयर बाजार में ज्यादा तेजी नहीं देखी गई है ।

# बजट सत्र में पहुंचे राहुल गांधी, साथी सांसदों ने लगाये भारत जोड़ो के नारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत का बजट पेश कर रही हैं। इस बजट सेशन में भाग लेने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी भारत जोड़ो पूरी करने के बाद संसद भवन पहुंचे। जब वह संसद भवन में प्रवेश कर रहे थे तो उनकी पार्टी के साथी सांसदों ने उनके समर्थन में भारत जोड़ो के नारे लगाए। गौरतलब हो कि कल राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान राहुल गांधी संसद में मौजूद नही थे। कश्मीर में मौसम खराबी के चलते वह दिल्ली नही आ पाए थे।

उधर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण देना शुरू किया तो थोड़ी देर बाद राहुल गांधी

सदन पहुंचे। तब कांग्रेस सांसदों ने भारत जोड़ो के नारे लगाए। हालांकि, थोड़ी देर बाद वो चुप हो गए। वित्त मंत्री ने कहा- अमृत काल का पहला बजट है। यह आजादी के 100 साल बाद भारत की परिकल्पना का बजट है। इस बजट में किसान, मध्य वर्ग, महिला से लेकर समाज के सभी वर्ग के विकास की रूपरेखा है।

इससे पहले भारत जोड़े यात्रा के समापन के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के माता खीर भवानी मंदिर में मत्था टेका। पार्टी सूत्रों के अनुसार उन्होंने देश में शांति बने रहने की दुआ मांगी। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 30 जनवरी को समाप्त हो गई है। 145 दिनों तक चल रही ये यात्रा श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में खत्म हुई। यात्रा के आखिरी दिन राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भारत जोड़ो यात्रा का स्थायी स्टैच्यू का उद्घाटन किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।